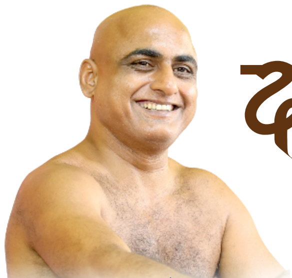

दया भावना फाउण्डेशन प्रणेता
प. पू. मुनि श्री 108 अविचल सागर जी

दया भावना फाउंडेशन

आचार्य श्री विद्यासागर गौ उपचार अस्पताल
भगवान श्री राम पक्षी उपचार अस्पताल

दया भावना फाउंडेशन – करुणा का संकल्प

दया भावना फाउडेंशन एक सामाजिक एवं सेवा भाव से प्रेरित संगठन है, जो मूक, असहाय, अनाश्रित, दुर्घटनाग्रस्त एवं बीमार पशु-पक्षियों के पूर्ण स्वस्थ होने पर्यंत उपचार संरक्षण एवं पुनर्वास के लिए कार्यरत हैं।
सन 2022 से यह संस्था पशु-पक्षियों के उपचार की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए निस्वार्थ भाव से सेवा कर रही है।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज जी के मंगल आशीर्वाद तथा उनके परम शिष्य, दया-करुणा के सागर मुनि श्री अविचलसागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से यह फाउंडेशन संचालित है।

मुख्य उद्देश्य

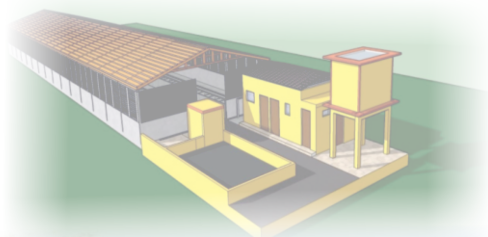

दया भावना फाउंडेशन का महान संकल्प है !
संपूर्ण भारतवर्ष में 108 गौ-अस्पताल एवं पक्षी-अस्पताल का शुभ निर्माण।
भारत के प्रत्येक राष्ट्रीय महामार्ग पर 150-200 कि.मी. के अंतराल में
"आचार्य विद्यासागर गौ-अस्पताल" एवं
"भगवान श्री राम पक्षी-अस्पताल" की स्थापना की जाएगी।

भारत में गाय और अन्य पशु-पक्षियों की दुर्दशा

मनुष्यों ने अपने स्वयं के उपचार हेतु तो पर्याप्त सुविधाओं का निर्माण कर लिया है,
परंतु मूक, अनाश्रित और दुर्घटनाग्रस्त पशुओं के लिए अत्याधुनिक उपचार सुविधा संपूर्ण भारत में कहीं उपलब्ध नहीं है।

ये सभी प्राणी भूख, प्यास, सर्दी-गर्मी की पीड़ा तो सहते ही हैं, किंतु जब वे घायल होते हैं, तो उनके घाव पर हल्दी लगाने वाला भी कोई नहीं मिलता। हम सभी देख रहे हैं ! जान रहे हैं ,कि हमारे आस-पास असंख्य पशु-पक्षी घायल अवस्था में पड़े रहते हैं, लेकिन हर इंसान लाचार हो जाता है ! उन्हें आखिर कहां ले जाएं ? प्रत्येक राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर ट्रैक्टर ,ट्राला, डम्पर, बस और अन्य भारी वाहनों से पशुओं का घायल होना आम बात है। कभी पैर कुचल जाते हैं, कभी हड्डियां टूट जाती हैं, पेट फट जाता है, गहरे घाव हो जाते हैं।और स्थायी विकलांगता उनके जीवन को पीड़ा का मार्ग बना देती है।

लाखों-करोड़ों पशु-पक्षी हमारे साथ रहते हैं, परंतु उनके लिए कोई भी अत्याधुनिक उपचार सुविधा नहीं है। भारत में कोई ऐसा अस्पताल नहीं है, जहां इन मूक प्राणियों को एडमिट कर पूर्ण स्वस्थ होने तक देखभाल मिल सके।

- कोई एंबुलेंस नहीं है - जो इन्हें दुर्घटना स्थल से उठाकर अस्पताल पहुंचा सके !
- कोई औषधि- व्यवस्था नहीं है। कोई आधुनिक ऑपरेशन थियेटर नहीं है।
- चारा न मिलने पर ये भोजन - कूड़े के ढेर में खोजते हैं -और प्लास्टिक, लोहे के टुकड़े, जहरीला कचरा खाकर मर जाते हैं।

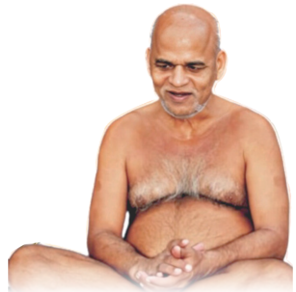

- घावों में कीड़े पड़ जाते हैं, खून बहता है - और वे तड़प-तड़प कर दम तोड़ देते हैं।
- प्रतिवर्ष लाखों पक्षी पतंगबाजी और विद्युत तारों से घायल होते हैं।

सरकारी पशु-चिकित्सा केंद्र होने पर भी

- उपचार का समय सीमित होता है।
- एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सर्जरी, एडमिट जैसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं।
- रात्री सेवा व सुरक्षा नहीं।
- उचित भोजन व देखभाल नहीं।
- घायल पशुओं को लाने हेतु एम्बुलेंस सुविधा नहीं।
- गौ-सेवा संस्थाएं और स्वयंसेवक भले सेवा करें, किंतु उनके पास भी संसाधन सीमित हैं।

इसीलिए – मुनि श्री अविचलसागर जी के दया भाव से प्रेरित होकर दया भावना फाउंडेशन ने 108 गौ-अस्पतालों के निर्माण का संकल्प लिया है।

गौ एवं पक्षी अस्पताल निर्माण के लाभ

- प्रत्येक 100-150 कि.मी. पर अस्पताल - तत्काल चिकित्सा सुविधा।
- प्रत्येक अस्पताल से चारों दिशाओं में 100 किमी तक एंबुलेंस व औषधि सेवा।
- कुशल गौ-चिकित्सक द्वारा 24 घंटे उपचार।
- आधुनिक उपकरण – एक्सरे, अश्वपरेशन थिएटर, ब्लड जांच, लैब, हैंगिंग मशीन, पौष्टिक आहार, रिकवरी-केयर।
- हाइड्रोलिक एंबुलेंस द्वारा गंभीर प्राणी का शीघ्र उपचार।
- सुरक्षा व उच्च गुणवत्ता वाली औषधि।
- केवल गौवंश ही नहीं, सभी पशु-पक्षियों को उपचार।
- ठंड व वर्षा ऋतु में 400 कि.मी. क्षेत्र तक गौवंश को रेडियम बेल्ट पहनाए जाएंगे – ताकि वाहन दुर्घटनाएं टलें और मानव-जीवन भी सुरक्षित रहे।
- प्रसव पीड़ा में गायों को सुरक्षित सहायता।
- श्वान -बिल्लियों को दवा, भोजन और देखभाल।
- अब भारत के प्रत्येक प्राणी को औषधि और उपचार का लाभ।
- दया-धर्म का जीवंत उदाहरण, जैसा हमारे ऋषि-मुनियों ने सिखाया।

पक्षी-अस्पताल से लाभ

- घायल पक्षियों के लिए विशेष अस्पताल श्रीराम बर्ड अस्पताल भवन।
- पंख टूटने, डिहाइड्रेशन और चोट का विशेष उपचार।
- पक्षियों के लिए भोजन-पानी
- गर्मी में कूलर व छांव की व्यवस्था।
- पक्षियों हेतु विशेष दवा व ऑपरेशन सुविधा।
- मानव और पक्षियों का सहअस्तित्व और मजबूत।
- करुणा से पंख टूटे पक्षियों को पुन: उड़ने योग्य बनाना।

अस्पताल की सुविधाएं

1. प्रवेश द्वार एवं सुरक्षा - अस्पताल की पहचान और सुरक्षा में सहायक।
2. मुख्य अस्पताल भवन - सभी उपचार और प्रबंधन का मुख्य केंद्र।
3. पार्श्वनाथ ऑपरेशन कक्ष- सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में सर्जरी सुविधा।
4. गौ-विश्राम कक्ष - उपचार के बाद गौवंश के आराम व रिकवरी का स्थान।
5. औषधि कक्ष - दवाओं का सुरक्षित भंडारण और तुरंत उपलब्धता।
6. उपचार यंत्र सामग्री - रोग पहचान और इलाज के लिए आवश्यक उपकरण।
7. रबर बेड - लंबे समय लेटने से होने वाले घाव और चोट से बचाव।
8. पोर्टेबल एक्स-रे मशीन- कहीं भी तुरंत हड्डी और आंतरिक जांच की सुविधा।
9. हैंगिंग मशीन- घायल पशु को खड़ा करने या सहारा देने के लिए।
10. भूसा घर- हरे व सूखे चारे का सुरक्षित भंडारण।
11. एंबुलेंस सेवा- घायल या बीमार पशु को तुरंत अस्पताल लाने की सुविधा।
12. उपचार हेतु लघु वाहन - दूरस्थ क्षेत्रमें जाकर इलाज की सुविधा।
13. जल संचयन प्रणाली- पानी की उपलब्धता और संरक्षण।
14. हरा चारा कुट्टी मशीन -बड़े पैमाने पर चारा काटने में समय व श्रम की बचत।
15. कूलर- गर्मी में पशुओं और स्टाफ को ठंडा वातावरण।
16. सोलर लाइट- बिजली की बचत और रात में लगातार रोशनी।
17. कैमरा निगरानी- सुरक्षा और निगरानी की सुविधा।
18. पानी घर- स्वच्छ पानी की निरंतर आपूर्तिप
19. रसोई घर - घायल ,जख्मी ,वृद्ध ,पशुओं के लिए पाचक भोजन निर्माण हेतु।
20. ऑफिस एवं संत भवन - प्रशासनिक कार्य और संतों का आवास।
21. तार फेंसिंग - अस्पताल क्षेत्र की सुरक्षा और पशुओं को सीमित रखने के लिए।
22. स्टाफ रूम - अस्पताल कर्मियों के आराम और निवास का स्थान।
23. तुला दान - धार्मिक अनुष्ठानों और सेवा कार्यों के लिए।
24. फ्रिज - दवाओं और संवेदनशील सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए।
25. पक्षी अस्पताल भवन

फाउंडेशन संकल्प-बद्ध है कि इन अस्पतालों का संचालन केवल अत्याधुनिक उपचार उपकरणों से ही किया जाएगा।

कल्पना कीजिए

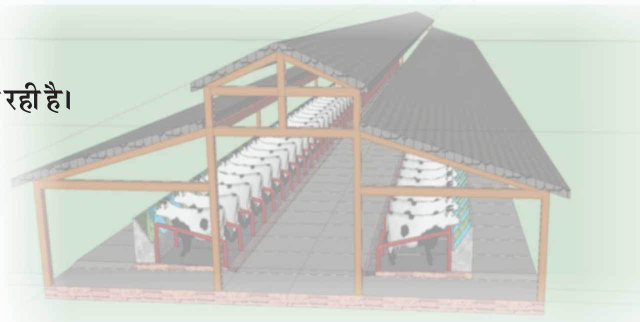

एक घायल गाय सड़क पर पड़ी है, उसकी आंखों में आंसू हैं।
वह बोल नहीं सकती, पर उसकी दृष्टि करुणा की पुकार कर रही है।
तभी – दया भावना फाउंडेशन की एंबुलेंस आती है,
उसे उठाकर स्वच्छ बिस्तर पर रखा जाता है,
डॉक्टर दवा लगाते हैं, घाव पर पट्टी करते हैं,
उसे चारा-पानी मिलता है।
और धीरे-धीरे उसकी आंखों में जीवन लौट आता है।

यह केवल गाय का जीवन बचना नहीं है,
बल्कि मानव का धर्म, करुणा और पुण्य जागृत होना है।

करुणा और धर्म का आह्वान

तो आइए हम सभी
भगवान महावीर और भगवान श्री राम के वंशज
अहिंसा के इस महातीर्थ निर्माण में सहयोग करें।

- मुनि श्री अविचलसागर जी की करुणा से प्रेरित ,दया भावना फाउंडेशन के इस मंगल कार्य को पूर्ण करने में अपना योगदान दें।

आपका सहयोग – लाखों प्राणियों का जीवन

बंधुओं, आइए इस पुण्य कार्य से जुड़कर महा-पुण्य अर्जित करें और मूक प्राणियों के जीवन-रक्षक बनें।

दया भावना फाउंडेशन –

करुणा का संकल्प, प्राणों की रक्षा का संकल्प।

DONATION

सम्पर्क सूत्र

6390-255-255

Website - www.dayabhawnafoundation.com
E-mail - dayabhawnafoundation@gmail.com
Youtube/Facebook/ instagram - daya bhawna foundation

भारत के प्रत्येक राष्ट्रीय महामार्गों पर प्रति 150 & 200 km पर
108 गौ अस्पताल निर्माण का शुभ संकल्प

अस्पताल निर्माण हेतु 1 एकड़ भूमि की आवश्यकता

ईश्वर आपको दया करते हुये देखना चाहते है

दया भावना फाउण्डेशन को दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा **80-G** के अर्न्तगत कर मुक्त है